Dharmesh nanda, Department of Geography
Govt. Degree College, Bagaha-1 (W. Champaran)
BRABU. Muzaffarpur

Geography (Hons) B.A. Part-1
Paper-1

Topic

प्रशांत महासागर का तल

Dharmesh nanda
Assistant Professor (G
Geography Departmen

प्रशांत महासागर का नितल

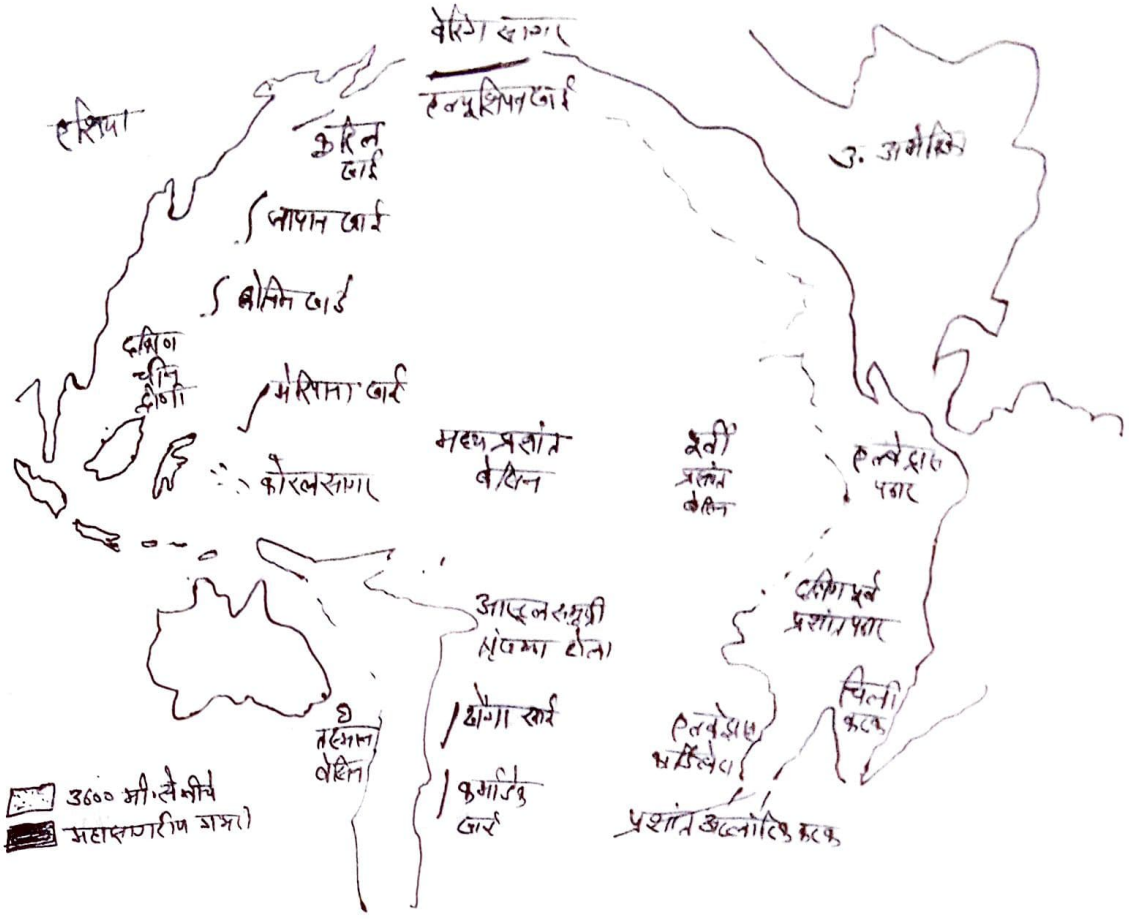

प्रशांत महासागर का पश्चिम मग्न तट पूर्वी मग्न तट की अपेक्षा अधिक चौड़ा है। पश्चिम मग्नतट पर जापान सागर, पीला सागर आदि स्थित हैं। आस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर भी मग्न तट अधिक चौड़ा है।

बेरिंग सागर, ओखोटस्क सागर, जापान सागर, पीला सागर, द. चीन सागर, जावा सागर, सुलु सागर, बांदा सागर आदि प्रशांत महासागर के प्रमुख सीमांत सागर या आंशिक रूप से घिरे हुए सागर हैं।

इस महासागर का सबसे महत्वपूर्ण कटक पूर्वी प्रशांत कटक या एल्बेट्रास पठार है। अन्य महत्वपूर्ण कटक – गालापगोस कटक, जिसकी दो शाखाएं हैं: (a) कारनीज (b) कोकोस, (iii) न्यूजीलैंड कटक (iii) हवाई कटक (iv) नाजका कटक (v) कैरोलीन - सोलोमन कटक आदि।

प्रशांत महासागर में अटलांटिक एवं हिंद महासागर के समान कटक महासागर के मध्य में नहीं पाये जाते हैं। इस महासागर में 20,000 द्वीप हैं। कुछ द्वीप बंटे हुए हैं (जैसे - फिलीपिंस), तो कुछ द्वीप चाप के रूप में (जैसे - न्यूजीलैंड, इंडोनेशिया, जापान आदि)। समुद्र में कुछ द्वीप बिंदु के रूप बिखरे हुए हैं; जैसे - कुक द्वीप, सोसायटी द्वीप, पोलिनेशियाई द्वीप आदि।

दक्षिण-पश्चिम के द्वीपों को निम्नलिखित तीन समूहों में विभाजित किया जाता है:

मेलानेशिया - सोलोमन द्वीप, फिजी द्वीप, न्यू हेब्राइड्स आदि

माइक्रोनेशिया - कैरोलाइन्स, मार्शल, गिल्बर्ट, एलिस एवं अन्य द्वीप।

पोलीनेशिया - लाइन, कुक, सोसायटी, टुआमोटो आदि

उत्तरी विषुवतीय